Regarding utilization of State Disaster Relief Fund for the rehabilitation of flood affected Punjab

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल (भटिण्डा) : मैडम, मेरे से पहले मेरे साथी ने जो इश्यू रेज किया है, मुझे भी इसी इश्यू को आपके संज्ञान में लेकर आना था कि पंजाब में अगस्त और सितंबर के महीने में बेतहाशा पानी के कारण जिस तरह की तबाही आई, वहां तकरीबन 2,300 गांव पूरी तरह से तबाह हो गए । वहां पांच लाख एकड़ जमीन पूरी तरह से तबाह हो गई । व्यास, रावी और सतलुज नदियों का पानी ऐसी तबाही लेकर आया । यह भी एक चर्चा का विषय है कि डैम कंट्रोल ठीक से नहीं हुआ, तो उसमें कुदरती आपदा कितनी थी और मानव निर्मित आपदा कितनी थी, लेकिन मैं आज उस विषय पर न जाते हुए, सिर्फ आपका ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहूंगी कि इस तबाही के साथ, जो करीबन तीन लाख एकड़ लोगों की फसल खड़ी-खड़ी तबाह हो गई, पांच लाख एकड़ जमीन तबाह हो गई और तबाह इस तरीके से हुई कि अब जब पानी चला गया है, उसके बाद भी वहां इतना रेता छोड़ गया कि शायद अगली दो-तीन फसलें भी वहां के किसान बीज नहीं सकेंगे । इंडो-पाक बॉर्डर पर जिन लोगों की तारों के उस तरफ जमीनें थी, जो पुरखों के समय से जिन जमीनों पर कल्टीवेशन कर रहे थे, वहां रावी, व्यास नदियां पूरी जमीन ले गईं । अब उनके पास जमीन ही नहीं रह गई । उनका सब कुछ तबाह हो गया है, न घर रहा, न जानवर रहे ।

मैडम, मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहूंगी कि केंद्र सरकार कह रही है कि स्टेट डिजास्टर रिलीफ फंड का 12,500 करोड़ रुपये स्टेट के पास है, लेकिन हमारी स्टेट की सरकार और स्टेट के वित्त मंत्री जी कह रहे हैं कि उनको इस साल सिर्फ 1,500 करोड़ रुपये मिले हैं । प्रधान मंत्री जी मुआवजे का जो 1,600 करोड़ रुपये का ऐलान करके गए हैं, यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है । इस छोटी रकम के बारे में भी पंजाब के वित्त मंत्री जी कह रहे हैं कि वह रकम नहीं आयी है । केंद्र सरकार कह रही है कि 12,500 करोड़ रुपये पड़े हुए हैं, राज्य सरकार कह रही है कि पैसे नहीं आए । जिन लोगों के पास घर नहीं है, छत नहीं है, जमीन तक नहीं है, पशु तक नहीं है, स्कूल तबाह हो गए, अस्पताल तबाह हो गए, वे लोग कहां जाए? इन दोनों के बीच फैसला कौन करेगा? लोगों की बांह कौन पकड़ेगा? यहां पर पैसा मांगना बहुत अच्छा है, लेकिन लोगों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट के राही, केंद्र सरकार पैसे क्यों नहीं भेजती है, ताकि लोगों का कुछ संवर जाए । मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप सरकार तक मेरा संदेश पहुंचाएं ।